श्रीवीरनाथाय नमः।

जैन भारती

लेखक :—

पं० गुणभद्र जैन "कविरत्न"

प्रकाशक व मुद्रक.—

दुलीचंद परवार,

मालिक—जिनवाणी प्रचारक कार्यालय ने अपने

"जवाहिर प्रेस"

१६१।१, हरीसन रोड, कलकत्ता में

छापकर प्रकाशित किया।

Copy Right—Reserved by Publisher

प्रथमावृत्ति } जनवरी १९३५ { सादा ३)